दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

सं०म्रो०वि०/यमुना/63-85/49982.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) राज्य परिवहन भ्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) हरियाणा रोडचेज, यमुनानगर, के श्रमिक श्री सुरेन्द्र कुमार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984, द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा सामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला है या उससे सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री मुरेन्द्र कुंमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? सं श्रो वि व । ता हि से व । ता हकदार है कि से व । ता हकदार है कि से व । ता हकदार है कि से व । ता हकदार हि । कार्यकारी श्रीभयन्ता, कैन्द्रीय भण्डार, हिरयाणा राज्य विजली बोर्ड, महरोली रोड, गुड़गांवा, के श्रीमक श्री चरणसिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 5415—3—श्रम 88/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ले हुए ग्रधिसूचना सं० 11495—किश्रम 157/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है, या विवाद से मुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री चरण सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायौचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? सं श्री०वि०/ग्रम्बाला/142-85/49997.—चूंकि हरियाणा के राज्यपात की राय है कि मैं नगरपालिका आहजादपुर के श्रीमक श्री पवन कुमार भारद्वाज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्वादण्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रीबोगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)-84-3-श्रम, दिनांक 18 म्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादक्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उससे सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री पवन कुमार भारद्वाज की सेवाग्रों का समापन न्यायोक्ति तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 18 दिसम्बर, 1985

सं. भो.वि./हिसार/34-80/50911.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. 1. परिवहन आयुक्त, हरियाणा चण्डीगढ़ 2. हरियाणा राज्य परिवहन रोहतक, के श्रमिक श्री प्रेम सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 9641-1-श्रम/78/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ पठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम त्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिश्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री प्रेम सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इकदार है?